# फास्ट ट्रैक
# कूटनीति

# फास्ट ट्रैक कूटनीति

- इस पुस्तिका में भारत के 15वें प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के नेतृत्व में भारत की नई सरकार के फास्ट ट्रैक राजनय की यात्रा को दर्शाया गया है।
- श्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए 8 देशों के नेताओं को दिए गए ऐतिहासिक निमंत्रण ने भारत की विदेश नीति में एक नये सुर का आगाज़ किया। यह नई सरकार के लिए कूटनीति की जीत थी तथा अनेक लोगों ने इसे 'राजनयिक मास्टर स्ट्रोक' की संज्ञा दी।
- प्रधान मंत्री ने पहला दिन विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज के साथ सार्क देशों तथा मॉरीशस के नेताओं के साथ काम करते हुए बिताया। यह भारत के दक्षिण एशिया के पड़ोसी देशों के साथ मैत्री एवं विकास साझेदारी के संबंधों को सुदृढ़ करने पर नई सरकार द्वारा प्रदान की गई प्राथमिकता का द्योतक था।
- अफगानिस्तान, बंग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका समेत अपने पड़ोसी देशों को सरकार की ओर से इस बात का पुनः आश्वासन दिया गया कि भारत उनके साथ घनिष्ट एवं स्थायी संबंधों को सुदृढ़ करना एवं महत्व देना जारी रखेगा, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में एक नया जोश पैदा हुआ है। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री को निमंत्रण ने हिंसा एवं आतंक मुक्त परिवेश में मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का निर्माण करने संबंधी भारत की उम्मीद एवं प्रतिबद्धता को दर्शाया।
- ओमान के विदेश मंत्री ऐसे पहले अतिथि थे जिनकी नई सरकार द्वारा अगवानी की गई। युगांडा के विदेश मंत्री नई सरकार के गठन के बाद भारत के दौरे पर आने वाले अफ्रीका के पहले नेता थे।
- पी–5 देशों (चीन, रूस, फ्रांस, यूके और यूएस) के दूतों की एक के बाद एक भारत की यात्रा से यह तथ्य सुदृढ़ हुआ है कि ये देश भारत के साथ अपने सामरिक संबंधों की सारवान नींव को मजबूत करने को महत्व देते हैं।
- ब्रिक्स शिखर बैठक ने वैश्विक मंच पर श्री मोदी की सफल शुरूआत की छाप छोड़ी। नए विकास बैंक की स्थापना के लिए सहमति तथा इसके पहले अध्यक्ष के रूप में किसी भारतीय को नियुक्त करने के संबंध में निर्णय अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर नई सरकार की प्रमुख उपलब्धि थी। लैटिन अमरीका के नेताओं के साथ बैठक भी एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी।
- विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज की म्यांमार, सिंगापुर और वियतनाम यात्रा से पूरब के देशों के साथ भारत के संबंध एक नए हाई स्पीड चरण में पहुंच गए हैं तथा 'पूरब की ओर देखो' से अब 'पूरब की ओर काम करो' के चरण में पहुंच गए हैं।
- प्रधान मंत्री की जापान यात्रा तथा हमारे संबंधों के विशेष वैश्विक साझेदारी के रूप में उन्नयन से भारत – जापान संबंधों में एक नए युग की शुरूआत हुई है।
- इराक, लीबिया एवं यूक्रेन के संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में फंसे भारतीयों के बचाव एवं वापसी में मदद करने के लिए सरकार की पूर्ण सहायता से लगभग 10,000 भारतीयों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित हुई।
- भारत के पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करने, पासपोर्ट पुस्तिका की कमी दूर करने तथा पासपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्णय नागरिक केंद्रित सेवाओं की प्रदायगी को सरल एवं इष्टतम बनाने संबंधी सरकार की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है, तथा विदेशों में भारतीयों के नश्वर अवशेषों के परिवहन की खोज – खबर के लिए एक ऑन लाइन सिस्टम की शुरूआत से भी ऐसा ही संकेत मिलता है।

# शून्य की शक्ति

- शून्य दिवस : नई सरकार के शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए सार्क के सभी देशों एवं मॉरीशस के नेताओं को निमंत्रण भेजे जाने के साथ राजनयिक अभियान की शुरूआत हुई।
- इस अभूतपूर्व कदम से सकारात्मक सुर उत्पन्न हुए जिसे विशेषज्ञों ने 'मास्टर स्ट्रोक' की संज्ञा दी।

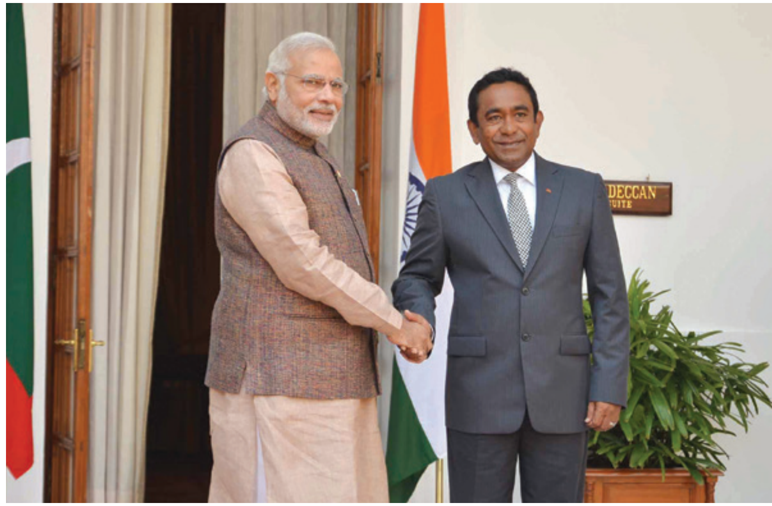

# कार्य का पहला दिन

- प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने सार्क देशों तथा मॉरीशस के नेताओं से मुलाकात की।
- यह बैठक इस बात का प्रतीक है कि हमारे क्षेत्र में मजबूत विदेशी संबंध निर्मित करना तथा विकास साझेदारी का निर्माण करना नई सरकार की प्राथमिकता है।
- स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया गया कि भारत क्षेत्रीय एवं वैश्विक खिलाड़ी के रूप में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए बिल्कुल तैयार है।

# पडोसियों को प्राथमिकता

# बी 4 बी - भूटान के लिए भारत; भारत के लिए भूटान

- प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी अपनी पहली अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पर भूटान गए।
- श्री मोदी ने ग्यालयोंग त्शोगखांग में संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित किया।
- श्री मोदी ने 'बी 4 बी' – भूटान के लिए भारत तथा भारत के लिए भूटान का आह्वान किया जिसका अभिप्राय यह है कि विकास के विज़न की तरह ही दोनों राष्ट्रों के सुरक्षा संबंधी सरोकार आपस में जुड़े और समान हैं।

- विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज की बंग्लादेश की यात्रा अच्छे पड़ोसी की भावना से परस्पर सरोकारों को दूर करने में एक उत्कृष्ट शुरूआत है।
- व्यापक एवं साम्यपूर्ण साझेदारी, परस्पर लाभप्रद संबंधों, युवा नीत विकास, जन दर जन संपर्क तथा दक्षिण एशिया में आगे बढ़ने के लिए परस्पर सहलग्नताओं पर बल दिया गया।
- बंग्लादेश की मीडिया द्वारा इस द्विपक्षीय बैठक को रचनात्मक, उत्पादक एवं सार्थक बताया गया।

# बंग्लादेश यात्रा

# स्ट्रेट के पार से मित्र

- श्रीलंका के विदेश मंत्री श्री जी एल पीरिस ने विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज से मुलाकात की।
- मछुआरों के प्रत्यर्पण, श्रीलंका में राजनीतिक सामंजस्य तथा आर्थिक विकास की प्रक्रिया से संबंधित मामलों पर चर्चा हुई।

# 'एचआईटी' मंत्र

- विदेश मंत्री की यात्रा के दौरान 23 साल बाद भारत – नेपाल संयुक्त आयोग की बैठक हुई।
- श्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल का दौरा किया जो पिछले 17 साल में भारत के किसी प्रधान मंत्री द्वारा इस हिमालयन देश की पहली यात्रा है।
- नेपाली संसद में प्रधान मंत्री मोदी के दिलचस्प भाषण से नेपाल के लोगों में उत्साह की लहर फैल गई।
- श्री मोदी ने नेपाल के विकास के लिए एक 'एचआईटी' मंत्र प्रस्तुत किया – एच : राजमार्ग, आई : आई–वेज एवं टी : परिवहन।

## म्यांमार मैट्रिक्स

- विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने आसियान – भारत विदेश मंत्री बैठक, पूर्वी एशिया शिखर बैठक की विदेश मंत्री बैठक तथा आसियान क्षेत्रीय मंच (ए आर एफ) की बैठक के लिए म्यांमार का दौरा किया तथा म्यांमार के वरिष्ठ नेतृत्व से भी मुलाकात की।
- भूमि, समुद्री एवं हवाई संयोजकता समेत संयोजकता की परियोजनाओं पर चर्चा हुई तथा बहु–प्रतीक्षित त्रिपक्षीय राजमार्ग पर भी चर्चा हुई, जो भारत, म्यांमार एवं श्रीलंका को जोड़ेगा।

# पी–5 का आह्वाहन

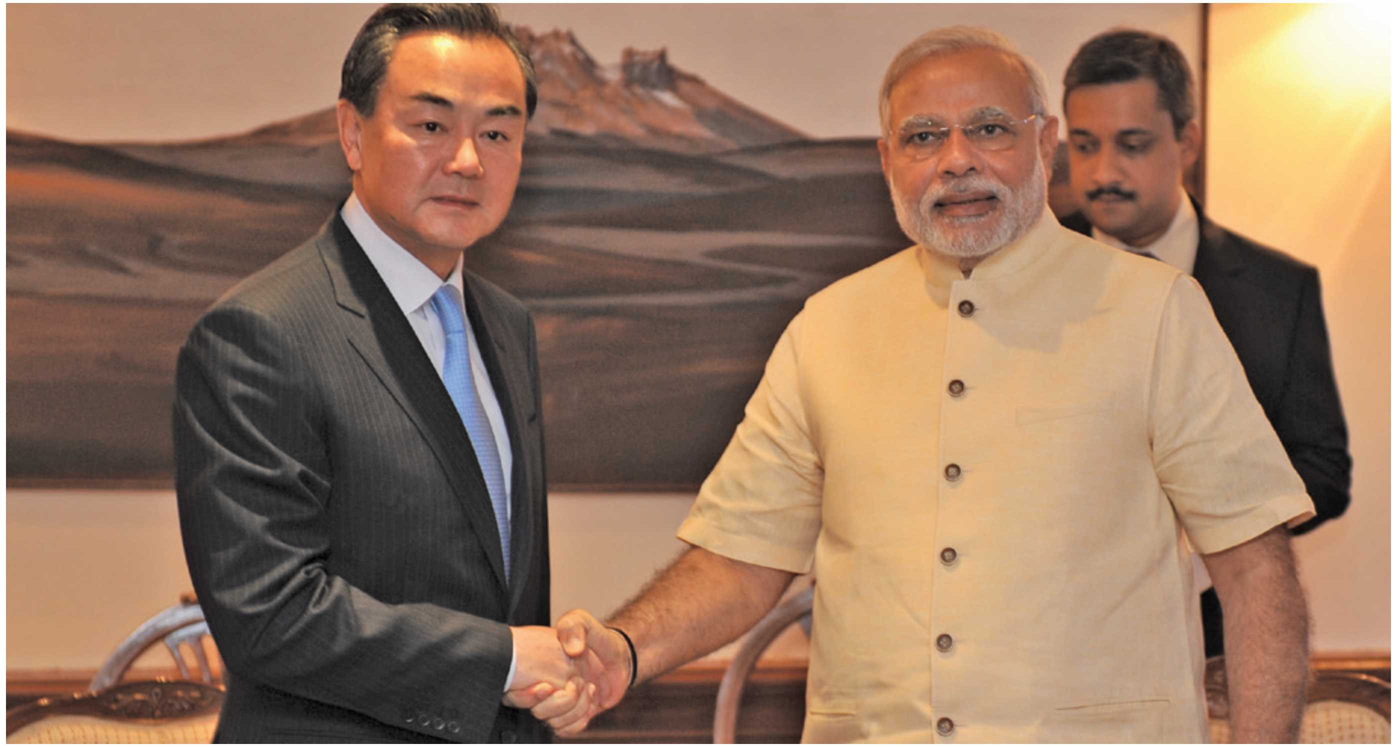

## सहमति बढाने का आह्वाहन

- चीन के प्रधान मंत्री श्री ली केक्यांग ने प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी को बधाई देने के लिए फोन किया – ऐसा करने वाले वह पहले विदेशी नेता थे।
- चीन के विदेश मंत्री श्री वांग यी चीन के राष्ट्रपति श्री झी जिनपिंग के विशेष दूत के रूप में भारत आए।

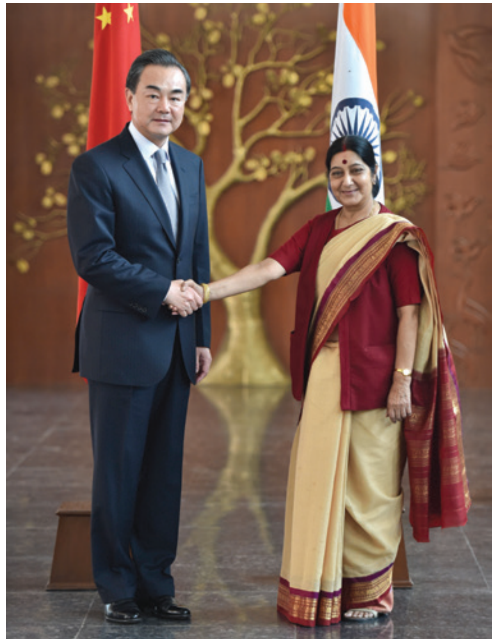

## समय की कसौटी पर खरे उतरे मित्र

- रूस के उप प्रधान मंत्री श्री दमित्रि ओ रोगोजिन द्विपक्षीय वार्ता के लिए भारत के दौरे पर आए।
- श्री मोदी ने भारत की आज़ादी के शुरूआती दिनों से ही भारत के आर्थिक विकास एवं सुरक्षा के लिए रूस की मैत्री तथा उदार द्विपक्षीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सहायता के लिए रूस की भरपूर प्रशंसा की।

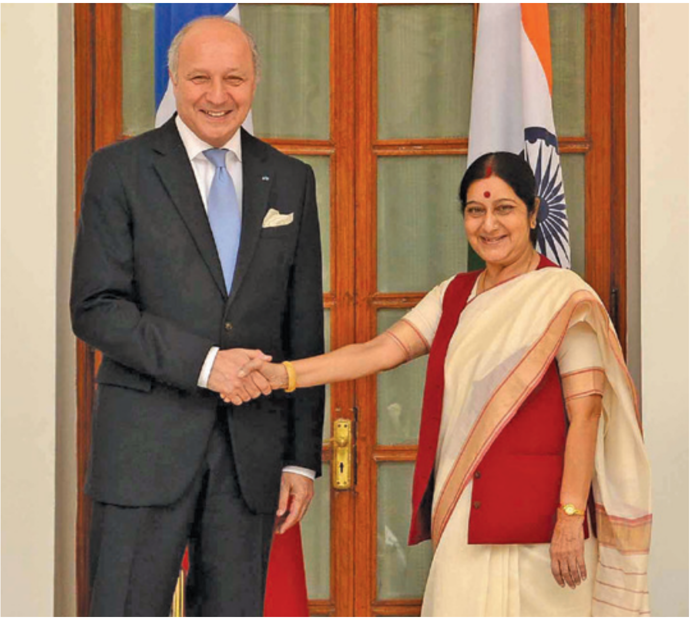

## फ्रेंच कनेक्शन

- फ्रांस के विदेश मंत्री श्री लॉरेंट फेबियस प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति श्री फ्रांकोस होलांडे का निमंत्रण देने के लिए भारत आए।
- भारत के साथ रक्षा, व्यापार एवं निवेश जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को सुदृढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की; संबंधों में तेजी लाने के लिए भारत में औद्योगिक आधार स्थापित करने में रूचि व्यक्त की।
- एक नई वीज़ा नीति पर नेटवर्किंग की दिशा में फ्रांस की पहल की घोषणा की, जो दो दिन के अंदर भारतीयों को फ्रांसीसी वीज़ा प्रदान करेगा।

## मज़बूत ऐतिहासिक सबंध

- राजकोष के चांसलर श्री जॉर्ज ओस्बर्न के साथ यूनाइटेड किंगडम के विदेश एवं राष्ट्रमंडल मामले मंत्री श्री विलियम हेग भारत के दौरे पर आए; इसके बाद उप प्रधान मंत्री श्री निक क्लेग एक व्यापार मिशन के साथ भारत के दौरे पर आए।
- यूके ने भारत के रक्षा एवं असंरचना क्षेत्र में अपनी फर्मों के लिए निवेश के अवसर खोलने की मंशा व्यक्त की तथा ब्रिटेन में भारतीय निवेश आकर्षित करने की भी मंशा व्यक्त की; सुरक्षा के मुद्दों में सहयोग बढ़ाने, जन दर जन संबंधों का निर्माण करने तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पुनर्गठन/सुधार से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।
- दोनों देशों के बीच शैक्षिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए भारत में चेवनिंग छात्रवृत्ति के लिए बजट को चार गुना करने तथा 100 से अधिक नए पुरस्कारों का सृजन करने की घोषणा की।

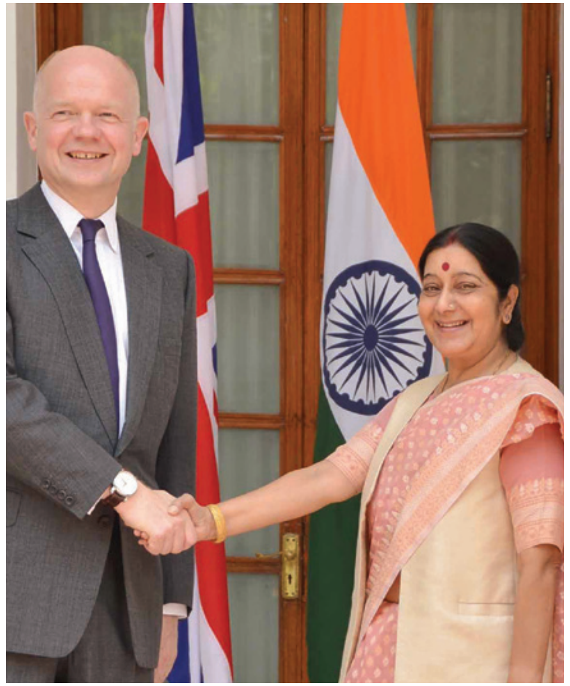

## भावी मार्ग का निर्माण

- यूएस उप विदेश मंत्री श्री विलियम बर्न्स, यूएस विदेश मंत्री श्री जॉन केरी और यूएस रक्षा मंत्री श्री चुक हेगल क्रमशः भारत के दौरे पर आए।
- श्रीमती स्वराज एवं श्री केरी ने पांचवीं भारत–यूएस सामरिक वार्ता की अध्यक्षता की।
- एक असाधारण भंगिमा के रूप में यूएस राष्ट्रपति श्री बराक ओबामा ने बैठक के लिए उस समय प्रधान मंत्री श्री मोदी को वाशिंगटन आने का न्यौता दिया जब प्रधान मंत्री सितंबर के उत्तरार्ध में संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए न्यूयार्क जाएंगे।

# ब्रिक्स में सफलता

## ब्रिक्स बैंक की अध्यक्षता

- ब्रिक्स शिखर बैठक वैश्विक मंच पर श्री मोदी की शुरूआत है।
- भारत नए विकास बैंक का पहला अध्यक्ष बन गया है।
- श्री मोदी ने कहा, ''नए विकास बैंक से न केवल ब्रिक्स देशों को लाभ होगा अपितु अन्य विकासशील देशों को भी सहायता प्राप्त होगी''।

## लैटिन अमरीका : मिटती दूरियाँ

- प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में लैटिन अमरीका के अनेक नेताओं से बात की।
- प्रधान मंत्री ने कहा कि भारत एवं मरकोसुर व्यापार ब्लॉक तथा चिली के बीच तरजीही व्यापार करार का उपयोग अधिक कारगर ढंग से किया जाना चाहिए।
- भारत में आगामी निवेश गोष्ठी में भाग लेने के लिए अपने व्यावसायिक नेताओं को प्रोत्साहित करने के लिए लैटिन अमरीका के नेताओं से आग्रह किया।

# विशेष भंगिमा

- ब्राजील की राष्ट्रपति सुश्री डिल्मा राउसेफ ने 6वीं ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में ब्रासीलिया में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मेज़बानी की।
- एक विशेष भंगिमा के रूप में राष्ट्रपति राउसेफ ने राष्ट्रपति महल में पूरे सैनिक सम्मान के साथ भारत के प्रधान मंत्री की अगवानी की।
- रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने के अलावा निवेश एवं व्यापार प्रवाह बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

# इंडियन कनेक्ट

- प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में गुयाना के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड रामोतार तथा सूरीनाम के राष्ट्रपति श्री देसी बाउटर्स से विस्तृत बात की।
- श्री मोदी ने इस बात का उल्लेख किया कि दक्षिण अमरीका के इन देशों में भारतीय मूल के लोगों – जो सदियों पहले यहां आकर बस गए हैं – ने भारत तथा दक्षिण अमरीका के देशों के बीच मैत्री के मजबूत सेतु के रूप में काम करना जारी रखा है।

# पूरब की ओर देखो से पूरब की ओर काम करो

## बढ़ती अपेक्षाएं

- प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जापान के दौरे पर गए जो उनकी भारत के सन्निकट पड़ोस के बाहर पहली द्विपक्षीय यात्रा है; भारत की विदेश एवं आर्थिक नीतियों में जापान को जो उच्च प्राथमिकता प्राप्त है उसे यह यात्रा रेखांकित करती है।
- श्री मोदी ने कहा कि जापान उगते सूरज का देश है और भारत तपते सूरज का देश है।
- श्री मोदी ने जापान के प्रधान मंत्री श्री शिंजो अबे तथा सम्राट अकिहितो से मुलाकात की; संबंध को विशेष सामरिक एवं वैश्विक साझेदारी के रूप में स्तरोन्नत किया।
- भारत–जापान निवेश संवर्धन साझेदारी के गठन से आर्थिक संबंधों में बहुत तेजी आई है तथा जापान अगले पांच वर्षों में भारत के लिए 3.5 ट्रिलियन येन (2,10,000 करोड़ रूपए) के सार्वजनिक एवं निजी निवेश तथा वित्त पोषण को साकार करना चाहता है।

# जश्न और निर्माण साथ-साथ

- सिंगापुर के विदेश मंत्री तथा कानून मंत्री श्री के. शणमुगम ने प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, तथा विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज के साथ बैठक की।
- श्रीमती स्वराज सिंगापुर के दौरे पर गईं, प्रधान मंत्री श्री ली ह्सेन लुंग से मुलाकात की; यात्रा के दौरान अपने समकक्ष श्री के. शणमुगम के साथ बैठक की।
- श्रीमती स्वराज ने भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए 'भारत का वर्ष' का उद्घाटन किया।
- भारत में संयोजकता एवं निवेश की परियोजनाओं, विशेष रूप से दिल्ली – मुंबई औद्योगिक कोरिडोर (डी एम आई सी), चेन्नई – बंगलौर औद्योगिक कोरिडोर तथा पूर्वोत्तर भारत में इन परियोजनाओं की गति बढ़ाने के लिए सिंगापुर की कंपनियों की भागीदारी आमंत्रित की।

# सामरिक भागीदारी की नई लहर

- विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज वियतनाम के दौरे पर गईं तथा वहां उन्होंने शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की।
- तेल क्षेत्र में वियतनाम के साथ अपनी भागीदारी मजबूत करने तथा रक्षा संबंधों को गहन करने के लिए भारत की योजना पर चर्चा की।
- श्रीमती स्वराज ने हनोई में भारत – आसियान थिंक टैंक के तीसरे चक्र का उद्घाटन किया।

# बहुपक्षीय बैठकों में द्विपक्षीय संबंध

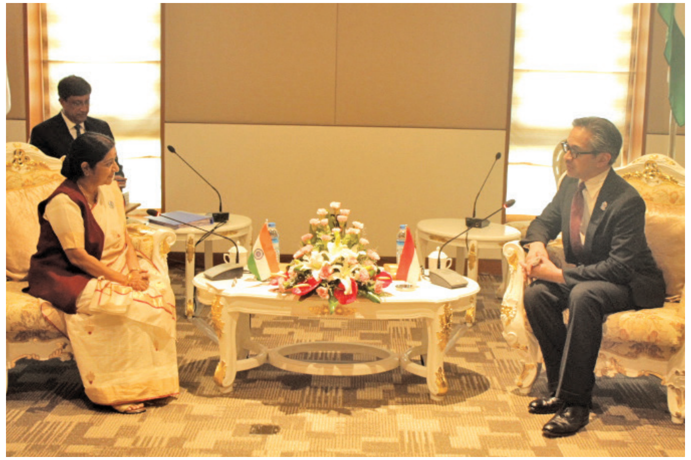

- श्रीमती सुषमा स्वराज ने भारत – आसियान विदेश मंत्री बैठक, पूर्वी एशिया शिखर बैठक की विदेश मंत्री बैठक तथा आसियान क्षेत्रीय मंच (ए आर एफ) की बैठक के लिए नाय पी ताव, म्यांमार का दौरा किया।
- श्रीमती स्वराज ने आस्ट्रेलिया, ब्रुनेई दारूस्सलम, कनाडा, चीन, इंडोनेशिया, जापान, म्यांमार, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, थाइलैंड और वियतनाम समेत 11 देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की।
- पूर्वी एशिया शिखर बैठक ऊर्जा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन, खाद्य सुरक्षा एवं संयोजकता में सुधार के क्षेत्रों में सहयोग पर केंद्रित थी; एआरएफ सम्मेलन में क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई।
- श्रीमती स्वराज ने आसियान के अंदर मजबूत संयोजकता की आवश्यकता तथा 10 सदस्यों के समूह में अधिक कार्यसाधक वीज़ा व्यवस्था शुरू करने पर जोर दिया।
- आसियान के विकास के लिए संयोजकता के महत्व पर ज़ोर दिया, जबकि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी पांच–टी पर काम कर रहे हैं – परंपरा, प्रतिभा, पर्यटन, व्यापार एवं प्रौद्योगिकी।

# संबंधों में नवीन ऊर्जा

- विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने भारत – आसियान विदेश मंत्री बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में आस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री सुश्री जूली बिशप से मुलाकात की।
- भारत और आस्ट्रेलिया ने आस्ट्रेलिया के प्रधान मंत्री श्री टोनी एबॉट की यात्रा के दौरान असैन्य परमाणु करार किया।

# परंपराओं को सुदृढ़ करना

## प्रथम आगंतुक

- ओमान के विदेश मंत्री श्री युसुफ बिन अलावी बिन अब्दुल्ला भारत के दौरे पर आए। नई सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत के दौरे पर आने वाले वह पहले विदेश मंत्री हैं।
- नेताओं ने राजनीतिक, आर्थिक एवं रक्षा सहित विभिन्न द्विपक्षीय विषयों पर चर्चा की।

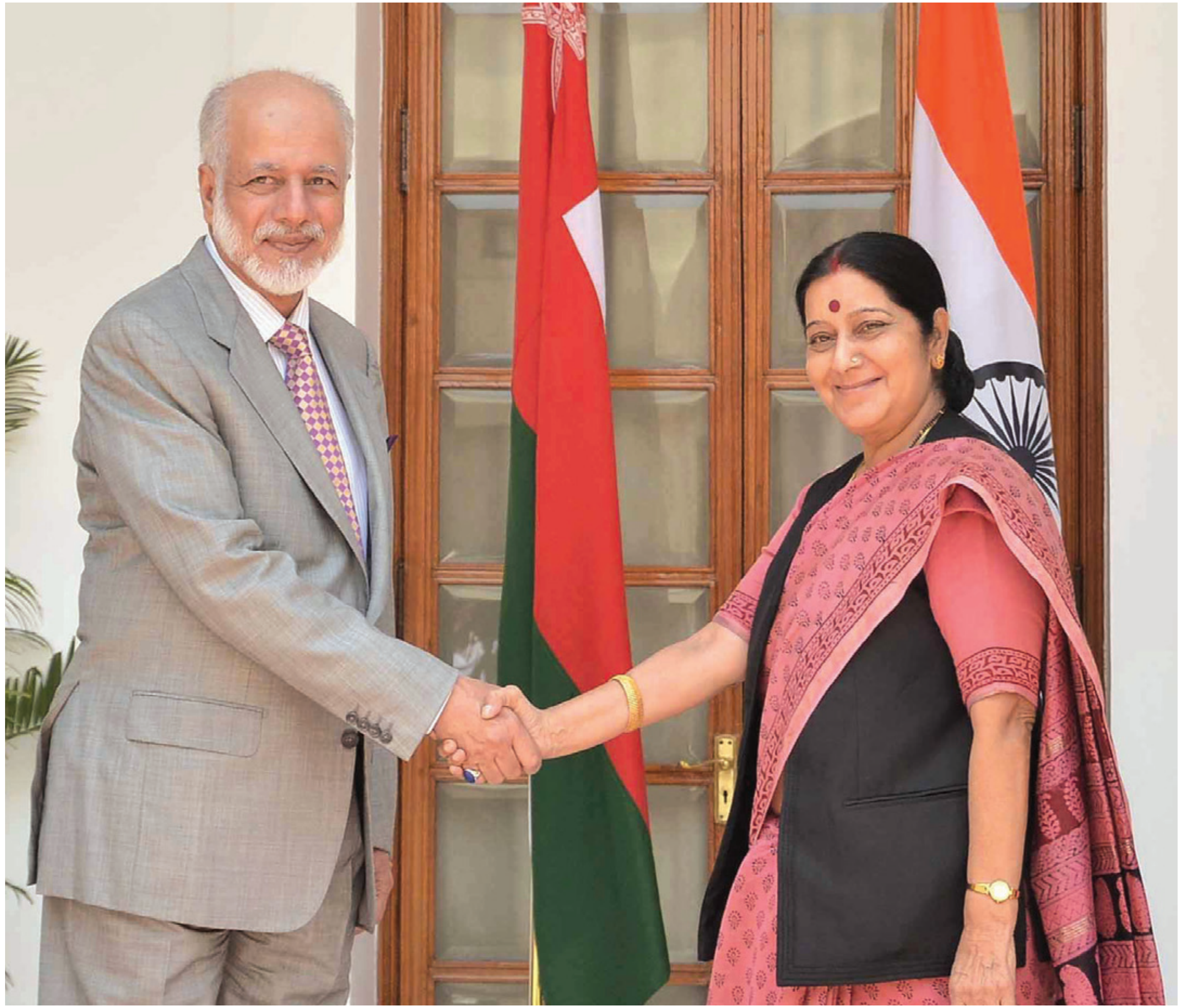

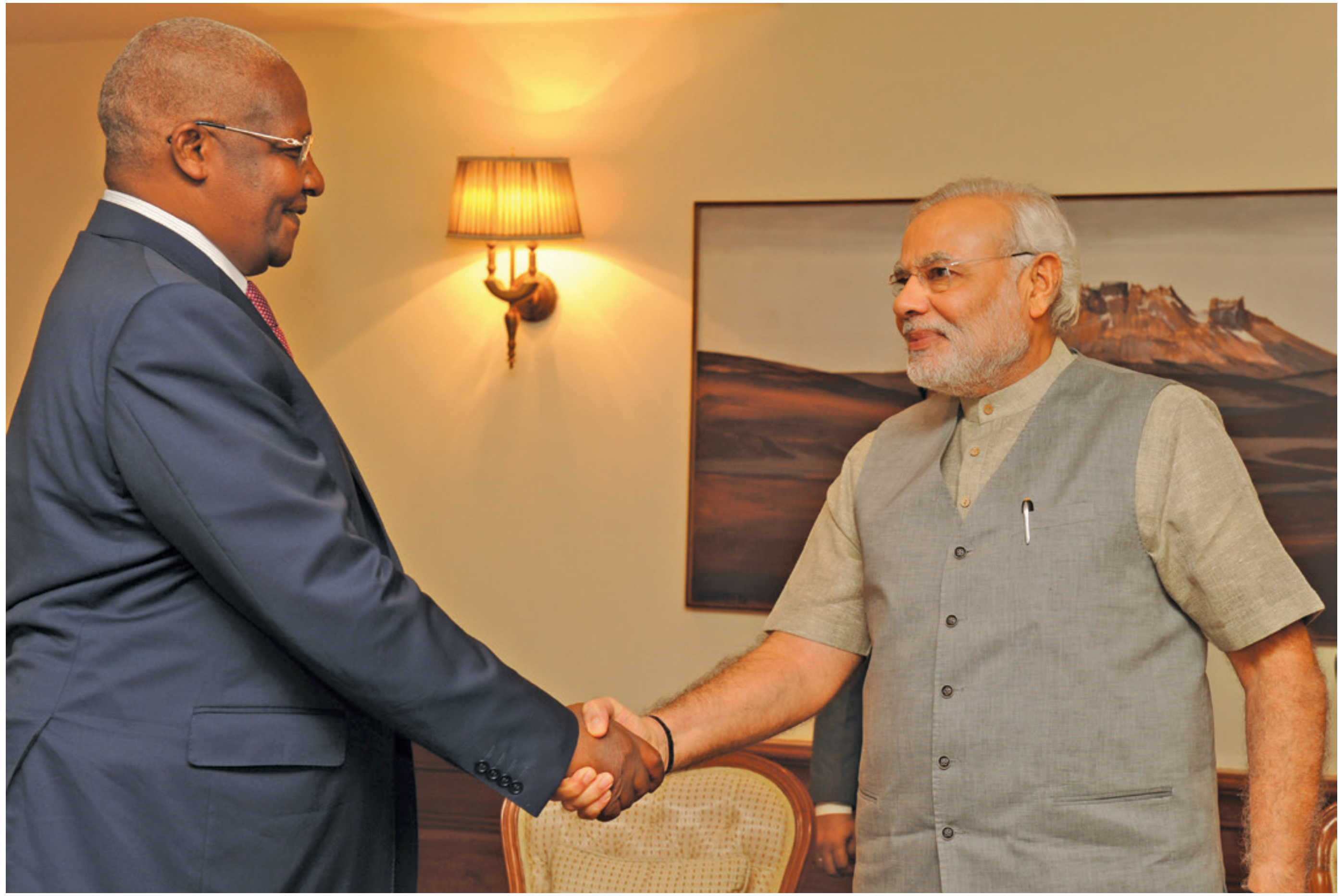

# प्रथम अफ्रीकी आगंतुक

- युगांडा के विदेश मंत्री डा. सैम कुटेसा भारत के दौरे पर आए।
- डा. कुटेसा ने निवेश, आई सी टी, जल विद्युत एवं क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में भारत और युगांडा के बीच विकास सहयोग की संभावना को रेखांकित किया।
- 2014 के अंत में अब तक की सबसे बड़ी भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठक के आयोजन के लिए जमीनी कार्य शुरू हो गया है।

# भारत - अरब लीग: प्रथम मीडिया गोष्ठी

- भारत ने एक मीडिया गोष्ठी में भाग लेने के लिए अरब लीग के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया।
- श्रीमती स्वराज ने अरब जगत के साथ संबंधों को बनाए रखने एवं विस्तार करने के लिए अपनी सरकार की अडिग प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

## अफ्रीकी क्षेत्रीय समुदाय

- भारत तथा अफ्रीका के क्षेत्रीय आर्थिक समुदायों (आर ई सी) के बीच तीसरी बैठक नई दिल्ली में हुई।
- मानकों एवं नियमों में सामंजस्य लाने से संबंधित कार्य तथा साझे बाजारों के सृजन का अफ्रीका के देशों के साथ भारत के व्यापार एवं निवेश के विकास से महत्वपूर्ण सरोकार है।

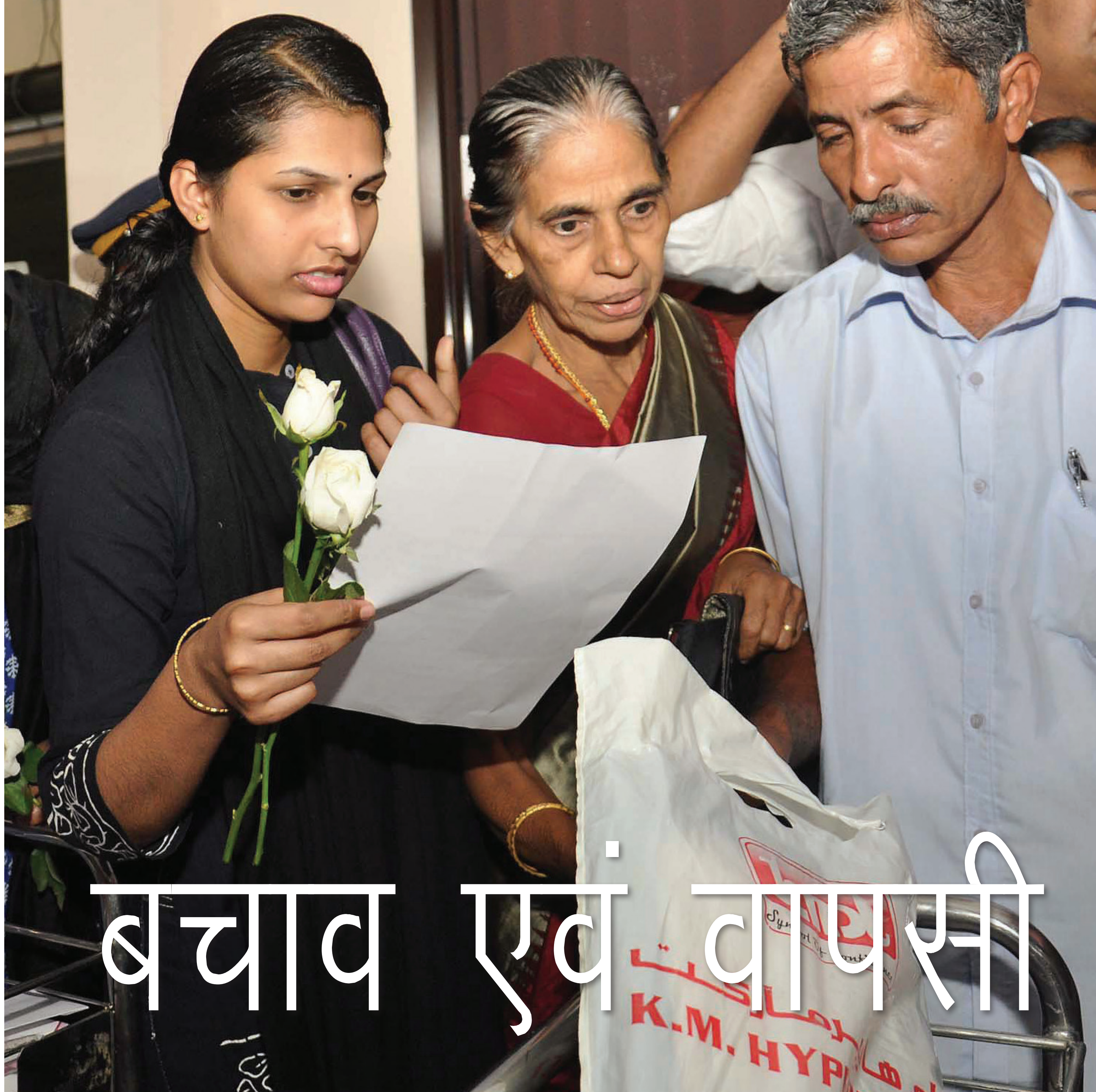

# बचाव एवं वापसी

# विशेष उपलब्धि

- गृह युद्ध से प्रभावित इराक में फंसे हुए 5500 भारतीयों को स्वदेश लाया गया।
- संकट के गहरा होते ही भारतीय नागरिकों के बचाव एवं वापसी में सुगमता प्रदान करने के लिए क्षेत्र के अंदर एवं बाहर सभी राजनयिक चैनलों को सक्रिय कर दिया गया।
- सरकार के प्रयासों से भारतीयों की रिहाई का मार्ग प्रशस्त हुआ जिसमें संघर्ष प्रभावित क्षेत्र में फंसी 46 नर्सें शामिल हैं।
- 40 भारतीय नागरिकों, जो अभी भी बंधक हैं, की रिहाई के लिए प्रयास जारी हैं।

# सहायता, मदद और सहयोग

- लीबिया में बड़े पैमाने पर हिंसा भड़क उठी है।
- भूमि, समुद्री एवं हवाई मार्गों से तकरीबन 3000 भारतीयों को तत्काल निकाला गया।
- संघर्ष प्रभावित लीबिया के सिरते क्षेत्र से 126 नेपाली नागरिकों को निकालने में सहायता प्रदान की गई।

# छात्रों की वापसी

- सरकार ने पूर्वी यूक्रेन में बढ़ते तनाव को ध्यान में रखते हुए 1000 भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से छात्रों को निकालने में सहायता प्रदान की।
- भारतीय राजनयिकों ने पूर्वी यूक्रेन के लुगांस्क शहर से बाहर निकलने में श्रीलंका के चार छात्रों तथा मालदीव के 16 नागरिकों की भी मदद की।

# नई पहल

## एजेंडा निर्धारण

- विदेश मंत्री ने पदभार ग्रहण करने पर सचिवों से मुलाकात की तथा एजेंडा निर्धारित किया।

# नागरिक केंद्रित सेवायें

- विदेश मंत्री ने शिलांग, इंफाल, ईटानगर, अगरतला, कोहिमा एवं गंगटोक सहित भारत के उत्तर पूर्व में नए पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया।
- वर्ष 2014–15 के लिए खाली पासपोर्ट पुस्तिकाओं की वार्षिक संख्या बढ़ाकर 20 मिलियन कर दी गई ताकि किसी भावी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए 10 मिलियन पुस्तिकाओं का सुरक्षित भंडार निर्मित हो सके।
- प्रवासी भारतीय मामले मंत्रालय ने भारतीयों, जिनकी मृत्यु विदेशों में हुई है, के नश्वर अवशेषों की वापसी के स्टेटस की ऑन लाइन ट्रैकिंग की सुविधा शुरू की है; इससे विदेश स्थित भारतीय मिशनों के साथ अनुवर्ती कार्यवाही में सहायता मिलती है।

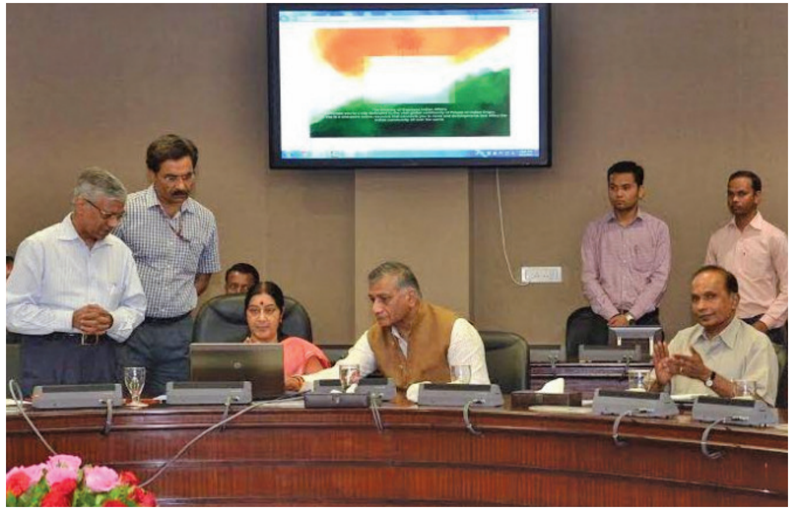

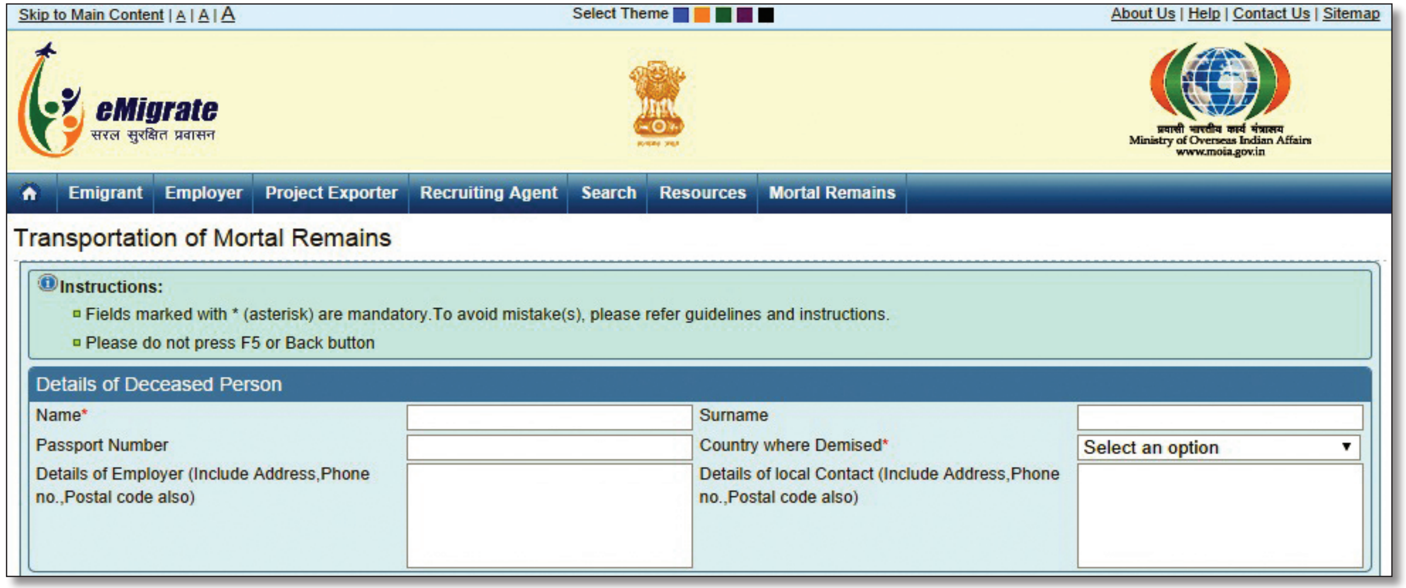


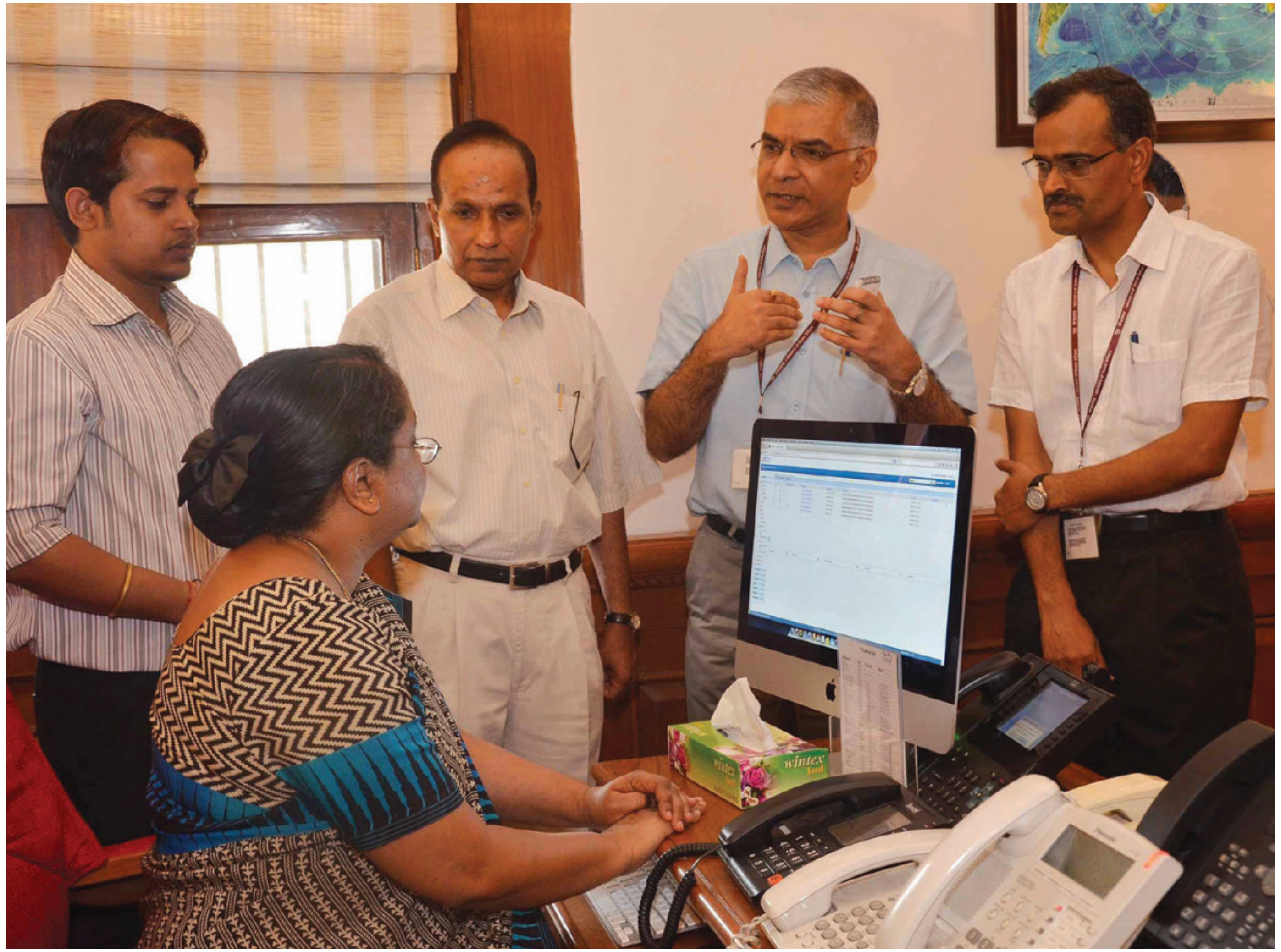

# प्रणालियों में सुधार

- विदेश सचिव श्रीमती सुजाता सिंह ने मंत्रालय में ई–आफिस शुरू किया जो किसी भारतीय मंत्रालय द्वारा पहला वर्चुअल आफिस है। ई–आफिस को मंत्रालय में चरणबद्ध ढंग से शुरू किया जाना है और इसके बाद इसे विदेश स्थित भारतीय मिशनों/पोस्टों में शुरू किया जाएगा।
- ई–आफिस ई–अभिशासन की योजना के तहत मिशन मोड परियोजना का अंग है तथा कार्यालयों को कागज रहित एवं अधिक दक्ष बनाने की दिशा में एक कदम है।
- ई–आफिस का उद्देश्य कार्यस्थल पर पारदर्शिता बढ़ाना, कार्यालय को कागज रहित बनाना तथा कार्यालयी प्रक्रियाओं की लागत कम करना है।

# होला - नमस्ते :
# हिस्पैनिक जगत तक पहुंच

- हिस्पैनिक समुदाय के साथ भागीदारी के लिए स्पेनिश में एक वेब पोर्टल शुरू किया गया।

# स्वच्छ कार्यालय

- सेवा निवृत्त राजदूतों की मदद से महत्वपूर्ण दस्तावेजों को परिरक्षित एवं अभिलेखित करने की दिशा में प्रयास जारी हैं।
- आसपास के परिवेश और वातावरण को साफ करने के लिए पहल की गई।
- अवांछित कागजों, प्रयोग के लिए अयोग्य एवं पुराने फर्नीचर, उपस्कर/कार्यालय उपकरण आदि की छंटाई के लिए श्रमदान करने के लिए सभी अधिकारी शनिवार को कार्यालय में उपस्थित थे।

@MEAIndia

Heritage restored to where it belongs. PM @narendramodi receives two idols from Australia's PM @tonyabbottmhr pic.twitter.com/V6kpV3aZj6

Reply Retweet Favorite More

@MEAIndia

Undeterred! India's diplomatic outpost in Herat celebrates Independence day undeterred by difficult circumstances. pic.twitter.com/G5f00p17JA

Reply Retweet Favorite More

# कहानी ट्विटर की ज़ुबानी

@MEAIndia

History is made!! All invited foreign leaders with Indian leaders at the Swearing-in Ceremony of PM @narendramodi pic.twitter.com/JFIu3HD95a

@MEAIndia

Women to the fore in Indian diplomacy! Minister @SushmaSwaraj greeted by Foreign Secy Sujatha Singh on day1 in office pic.twitter.com/P6bXIk9108

@MEAIndia

Ahlan Wa Sahlan! India's External Affairs Minister @SushmaSwaraj greets 1st visitor Oman 's Foreign Minister in Delhi pic.twitter.com/xVdt7aFH2I

@MEAIndia

Enroute to Homeland! 1st batch of Indian students arrive in Kyiv from Lugansk responding to advisory to leave region pic.twitter.com/V8GjuTC0O8

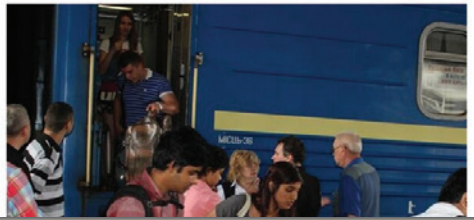

@MEAIndia

Bienvenue! Minister @SushmaSwaraj greets France's Minister @LaurentFabius on day when India launched French satellite pic.twitter.com/rAgvVQSYv4

@MEAIndia

Kailash beckons! Minister @SushmaSwaraj flags off 1st batch of pilgrims on Kailash Manasarovar Yatra. pic.twitter.com/yzsn1Hjmg2

@MEAIndia

24X7 Responses! Control Room in New Delhi responds to all requests for assistance related to Indian nationals in Iraq pic.twitter.com/fw37yNKw6s

@MEAIndia

Proactive in support of Indians in Iraq! Diplomats reach out to workers in labour camps. pic.twitter.com/rMI51o1JaR

@MEAIndia

e-Office launced! Foreign Secy Sujatha Singh launches e-Office @MEAIndia Hqrs. pic.twitter.com/RozRQsy16b

@MEAIndia

Sustainable development & Inclusive Growth! @PMOIndia speaks at BRICS Summit session on Economic issues pic.twitter.com/MIGiBxRImd

@MEAIndia

Ready reference when in Gulf ! Contact details for Indians during emergency situations in the Gulf States. pic.twitter.com/cOY2hXxQIG

List of Designated Welfare Officers in Gulf Countries

@MEAIndia

India-US conclude Strategic Dialogue. Get ready to face media contingent. pic.twitter.com/WIcgUQdPOQ

@MEAIndia

Kathmandu rocks like never before! Crowds thronged streets of Kathmandu to greet @PMOIndia after Parliament speech pic.twitter.com/mRm1BWLSMW

Reply Retweet Favorite More

@MEAIndia

Young torch bearer. Indian diplomat Mijito Vinito with torch frm Delhi home of 1st Asiad 4 Incheon host of next Asiad pic.twitter.com/YAWwjvNLoa

Reply Retweet Favorite More

@MEAIndia

India intensifying engagement. Minister @SushmaSwaraj on visit to 3rd ASEAN state in August meets Vietnam's Prez. pic.twitter.com/jonMavGuCj

Reply Retweet Favorite More

@MEAIndia

Different routes 1 goal - getting home to India! Indian nationals in Libya take sea route from Benghazi pic.twitter.com/xItikxzncK

Reply Retweet Favorite More

@MEAIndia

Moving from "Looking East" to also "Acting East" - Minister @SushmaSwaraj to Singapore leadership pic.twitter.com/tEOIufYVel

Reply Retweet Favorite More

@MEAIndia

Poignant Moment. @PMOIndia reaches out to Netaji's oldest living associate in Japan the 99 year old Saichiro Misumi pic.twitter.com/od8HJrHj5S

Reply Retweet Favorite More

सत्यमेव जयते

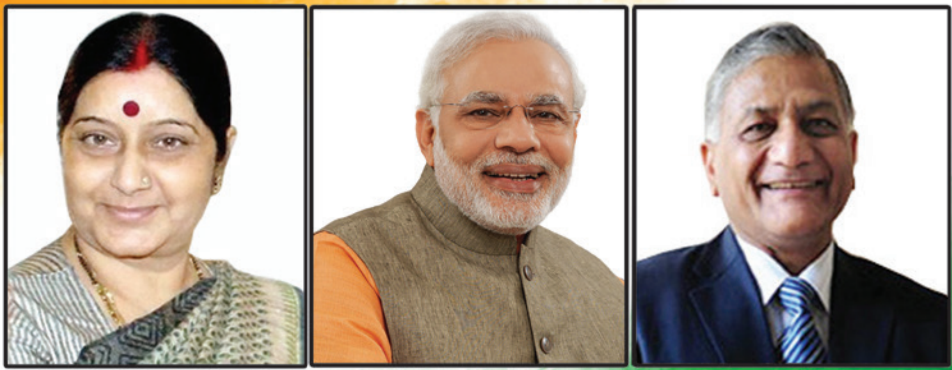

# विदेश मंत्रालय
# भारत सरकार

लोक राजनय प्रभाग
की एक पहल

सितम्बर 2014